>

Title: Need to extend the judicial jurisdiction of Vellore and Ghatampur districts under Kanpur city.

**श्री राजाराम पाल (अकबरपुर):** सभापति महोदय, आपने एक अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय पर मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के आदरणीय सलमान खुर्शीद साहब, जो कानून मंत्री भी रहे हैं, उनका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। जब मैं वर्ष 1996 में घाटमपुर से विधायक था, उस समय कानपुर देहात में यह तहसील थी, वैल्लोर तहसील भी कानपुर देहात में थी। मेरे द्वारा वर्ष 1997 में इन दोनों तहसीलों को भौगोलिक दृष्टि से सही, सस्ता और सुलभ न्याय दिलाने के लिए कानपुर नगर में जोड़ने का काम किया गया था। किन्तु कानपुर नगर में कानपुर देहात का भी जूरिसडिक्शन था। प्रशासनिक तौर पर आज भी घाटमपुर और वैल्लोर तहसीलें कानपुर नगर से जुड़ी हुई हैं। विगत पिछले माह कानपुर देहात में न्यायिक जूरिसडिक्शन ट्रंसफर हो गया है। इन दोनों तहसीलों की दूरी 100-120 किलोमीटर के लगभग है। बार एसोसिएशन, लायर्स एसोसिएशन और बाध्यकारी लम्बे समय से आंदोलनरत हैं। उनकी मांग है कि यह व्यावहारिक दृष्टि से भी ठीक नहीं है कि वे प्रशासनिक तौर पर कानपुर नगर में रहें और न्यायिक दृष्टि से 120 किलोमीटर दूर जाएं। इससे आए दिन देर से पहुंचने के कारण बाध्यकारियों के खिलाफ बिना जमानती वारंट जारी किए जाते हैं। इसलिए लोगों में आक्रोश है। लायर्स बार और बाध्यकारी लोग आंदोलनरत हैं।...(व्यवधान) मैंने पिछले दिनों कानून मंत्री जी से लायर्स और बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल को मिलवाकर इन दोनों तहसीलों को व्यावहारिक दृष्टि से कानपुर नगर में न्यायिक तौर से जोड़ने की मांग की थी। किन्तु आज तक उसमें कोई कार्यवाही न होने के कारण बाध्यकारी और अधिवक्ता दोनों आंदोलनरत हैं।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से इस बारे में मांग करता हूं। एक तरफ सरकार चाहती है कि न्याय सस्ता हो, जल्दी हो, फास्ट ट्रैक में हो, तहसीलों में लोगों को न्याय मिले और दूसरी तरफ केवल छोटी सी त्रुटि के कारण 120 किलोमीटर दूर बाध्यकारियों, अधिकारियों का जाना व्यवहारिक दृष्टि से सही नहीं है। यदि वे एक दिन पहले खाना-पानी लेकर चलेंगे तभी दूसरे दिन तक पहुंच पाएंगे।...(व्यवधान) लिहाजा मैं चाहता हूं कि वैल्लोर और घाटमपुर तहसीलें, जो प्रशासनिक तौर पर कानपुर नगर में सन्निहित हैं, उनका न्यायिक जूरिसडिक्शन भी कानपुर नगर में रखा जाए।

आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।